Pehla Guru Ji Hum Janmiya Bhajan Lyrics in Hindi English

Pehla Guru Ji Hum Janmiya Bhajan Lyrics in Hindi

पहला गुरु जी हम जनमिया,
दोहा – चिंता से चतुराई घटे,
दुख से घटे शरीर,
पाप किया लक्ष्मी घटे,
तो क्या करें दास कबीर।
कबीरा कलयुग आवियो,
संतना माने नी कोय,
कूड़ा कपटी लालची,
उनरी पूजा होय।
कबीरा खड़ा बाजार में,
सबकी मांगे खैर,
नहीं किसी से दोस्ती,
नहीं किसी से बैर।

अरे पहला गुरु जी हम जनमिया,
हम जनमिया जी,
पीछे बड़ा भाई,
भाई धूम ताम से पिता जनमिया,
सबसे पीछे माई,
मगन होये में चलया मेरी माई,
मग्न होये, राम रे नाम नाम रो गेलो पकड़ो,
छोड़ो नी मूरखाई।।

पहले तो गुरुजी दूध जमायो,
पीछे गाय ना दोई,
दोई बछड़ा उणरा रमे पेट में,
घृत बेचवा गई मग्न होये,
राम रे नाम नाम रो गेलो पकड़ो,
छोड़ो नी मूरखाई राम रे।।

कीड़ी चाली सासरे,
नो मण सुरमो साथ कीड़ी,
साथ हाथी उण रे हाथ में,
पूंछ लपेट्या जाये मग्न होए,
राम रे नाम नाम रो गेलो पकड़ो,
छोड़ो नी मूरखाई राम रे।।

ईन्डा हता बोलता,
बचीया बोलया नहीं,
कहत कबीरा सुनो भाई साधु,
मुर्ख समझे नहीं मग्न होए,
राम रे नाम नाम रो गेलो पकड़ो,
छोड़ो नी मूरखाई राम रे।।

Pehla Guru Ji Hum Janmiya Bhajan Lyrics in English

Pehla Guru Ji hum janmiya,
Chinta se chaturai ghate,
Dukh se ghate sharir,
Paap kiya Lakshmi ghate,
Toh kya karein daas Kabir.
Kabira kalyug aavyo,
Santna maane ni koy,
Kooda kapati laalchi,
Unri pooja hoy.
Kabira khada bazaar mein,
Sabki maange khair,
Nahi kisi se dosti,
Nahi kisi se bair.

Are pehla Guru Ji hum janmiya,
Hum janmiya ji,
Peeche bada bhai,
Bhai dhoom taam se pita janmiya,
Sabse peeche maai,
Magan hoye mein chaliya meri maai,
Magan hoye, Ram re naam naam ro gelo pakdo,

Chhodo ni moorkhai.

Pehle to Guruji doodh jamayo,
Peeche gaay na doyi,
Doyi bachda unra rame pet mein,
Ghrit bechwa gayi magan hoye,
Ram re naam naam ro gelo pakdo,
Chhodo ni moorkhai Ram re.

Keedi chaali saasre,
No man surmo saath keedi,
Saath haathi un re haath mein,
Poonch lapetya jaaye magan hoye,
Ram re naam naam ro gelo pakdo,
Chhodo ni moorkhai Ram re.

Inda hatha bolta,
Bachiya bolya nahi,
Kahat Kabira suno bhai saadhu,
Moorkh samjhe nahi magan hoye,
Ram re naam naam ro gelo pakdo,
Chhodo ni moorkhai Ram re.

About Pehla Guru Ji Hum Janmiya in English

This bhajan is a reflective and philosophical prayer, expressing the journey of life and spiritual wisdom. The lyrics of the bhajan, as shared by Kabir, portray the experience of a devotee’s path to enlightenment, guided by the teachings of the guru. It reflects the idea that life is a process of learning, overcoming challenges, and being devoted to the name of the divine. The bhajan addresses the worldly attachments and stresses the importance of spiritual discipline and self-realization. Kabir’s teachings in the bhajan encourage focusing on the divine name and seeking liberation from ignorance and worldly distractions.

About Pehla Guru Ji Hum Janmiya in Hindi

यह भजन जीवन के अनुभव और आध्यात्मिक ज्ञान को व्यक्त करता है, जिसमें जीवन की यात्रा और गुरु की शिक्षाओं के माध्यम से आत्मज्ञान की प्राप्ति की बात की गई है। कबीर के द्वारा प्रस्तुत इस भजन में जीवन के उतार-चढ़ावों का सामना करने और ईश्वर के नाम के प्रति समर्पण की महत्वपूर्ण बातें हैं। इसमें यह संदेश दिया गया है कि जीवन को सही दिशा में जीने के लिए गुरु की शिक्षा आवश्यक है और संसारिक बंधनों से मुक्त होने के लिए ईश्वर के नाम का जाप जरूरी है। यह भजन भक्तों को आत्मज्ञान की ओर मार्गदर्शन करने का एक प्रयास है, जिसमें हर इंसान को अपने जीवन में सच्चे उद्देश्य की प्राप्ति के लिए परिश्रम करने का संकेत दिया गया है।